जापान के राजदूत ने महाराष्ट्र के राज्यपाल से मुलाकात की

भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो ने मंगलवार (२९ जुलाई) को मुंबई के राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। यह मुंबई की उनकी तीसरी यात्रा है, राजदूत ने भारत और जापान के बीच गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित किया, जो बौद्ध धर्म और आपसी सम्मान में निहित हैं। उन्होंने लोगों से लोगों के बीच अधिक जुड़ाव की आवश्यकता पर बल दिया और बताया कि विश्वविद्यालय स्तर के सहयोग को बढ़ाने के लिए इस वर्ष के अंत में हैदराबाद में भारत-जापानी शैक्षणिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जापान में भारतीय छात्रों की कम संख्या पर भी चिंता व्यक्त की और अकादमिक आदान-प्रदान, भाषा कार्यक्रमों और आईटी, पर्यटन और कुशल कार्यबल जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए जापान के समर्थन को बढ़ाया।

जापानी राजदूत का स्वागत करते हुए, राज्यपाल राधाकृष्णन ने जापान के अनुशासन, मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत के लिए भारत की गहरी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, यह देखते हुए कि दोनों देशों के बीच व्यापार उनके राजनयिक संबंधों की ताकत को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है। राज्यपाल ने चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया और जापानी एमएसएमई को महाराष्ट्र में विशेष रूप से उपभोग्य सामग्रियों, वस्त्रों और रत्न और आभूषणों में अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा के क्षेत्र में, राज्यपाल ने बताया कि मुंबई विश्वविद्यालय जल्द ही अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए एक जापानी भाषा कार्यक्रम शुरू करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाषा की पहुंच भारतीय छात्रों को जापान में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने अकादमिक और कृषि आदान-प्रदान कार्यक्रमों का भी प्रस्ताव रखा, यह देखते हुए कि मशरूम की खेती में जापान की विशेषज्ञता ग्रामीण महाराष्ट्र को लाभान्वित कर सकती है।

दोनों नेताओं ने पर्यटन, खेल और संस्कृति में संभावनाओं का भी पता लगाया। राज्यपाल ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के चालू हो जाने के बाद मुंबई और टोक्यो के बीच सीधी उड़ान शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बौद्ध धर्म से जुड़े धार्मिक पर्यटन और पाक आदान-प्रदान के माध्यम से मजबूत पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा- भारतीय शहरों में अधिक जापानी रेस्तरां की वकालत की। राजदूत ने इन विचारों का समर्थन किया और जापान में भारतीय व्यंजनों और फिल्मों की लोकप्रियता की ओर इशारा किया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सिम्बायोसिस विश्वभवन, पुणे में डॉ. मजूमदार के ९०वें जन्मदिन के अवसर पर सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शांताराम बी. मजूमदार को सम्मानित किया। सम्मान समारोह का आयोजन सकल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया था। इस अवसर पर 'ज्ञान पर्व' के विशेष स्मारक संस्करण का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती संजीवनी मजूमदार, सांसद शाहू महाराज छत्रपति, सकल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अभिजीत पवार, सकल सम्राट फडणीस के संपादक और राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे उपस्थित थे।

१०६ पुलिस अधिकारियों, कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान किए

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार (२९ जुलाई) को राजभवन, मुंबई में आयोजित एक अलंकरण समारोह में १०६ पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए। भारत के राष्ट्रपति द्वारा स्वतंत्रता दिवस २०२२ और २०२३ और २०२३ में गणतंत्र दिवस और २०२३ और २०२४ में गणतंत्र दिवस पर पुलिस पदकों की घोषणा की गई।

कुल चौंसठ (६४) पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुलिस वीरता पदक दिया गया, चार (४) पुलिस अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया, और अड़तीस (३८) अधिकारियों और कर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए गए। प्रमुख सचिव (गृह) अनूप कुमार सिंह। राष्ट्रपति पुलिस पदक और विशेष पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) डॉ. मनोज कुमार शर्मा, सराहनीय सेवा पदक सहित अन्य को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला और पुलिस अधिकारी और परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

Published in: Swarnim Mumbai (Monthly Hindi Magazine)
Issue: August 2025 | Date: 5th August 2025 | Page No: 07